सबसे बहादुर बिल्ली एक सच्ची कहानी!

लौरा ड्रिस्कॉल, चित्र : ऐनी डिसाल्वो-रयान

सबसे बहादुर बिल्ली
एक सच्ची कहानी!

लौरा ड्रिस्कॉल, चित्र : ऐनी डिसाल्वो-रयान

ब्रुकलिन, एनवाई, 1996

एक इमारत में आग लगी!

बहुत सारी फायर-ब्रिगेड गाड़ी आईं!

और बहुत सारे फायरमैन भी.

एक पुराने गैरेज में भयानक आग लगी.

लेकिन एक अच्छी बात यह थी,

ईमारत में कोई रहता नहीं था.

रुको! ज़रा देखो!

फायर-ब्रिगेड वालों ने क्या देखा?

देखो उस बिल्ली को!

वो गैरेज से बाहर भाग रही है!

वो कुछ ले जा रही है –

कोई छोटी सी चीज़!

उसके मुंह में एक छोटा बिल्ली का बच्चा है!

बिल्ली ने अपने छोटे बच्चे को
एक सुरक्षित स्थान पर रखा.

वो फिर से वापस आग में घुसी!

वो क्या कर रही है?

जल्द ही बिल्ली फिर से भागी –

एक और बिल्ली के बच्चे के साथ!

इस तरह वो तीन बार

अंदर-बाहर दौड़ी!

फायर-ब्रिगेड वालों को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ.

अब वहां बिल्ली के बच्चों का एक ढेर था!

बिल्ली के सभी बच्चे छोटे और डरे हुए थे. एक का कान जल गया था.

और बेचारी माँ बिल्ली!

वो बहुत बुरी तरह जल गई थी.

उसकी आंखों में चोट लगी थी.

अब वो अपने बच्चों को देख तक नहीं सकती थी.

इसलिए माँ बिल्ली ने प्रत्येक बच्चे को

अपनी नाक से छुआ.

एक, दो, तीन, चार, पांच!

उसके सभी बच्चे वहाँ थे!

बड़े प्यार और कोमलता से,

एक फायर-ब्रिगेड वाले ने

सभी बिल्लियों को एक डिब्बे में रखा.

उसे समझ में आया,

कि उन्हें तुरंत किसी डॉक्टर की जरूरत थी.

फायरमैन, सभी बिल्लियों को पशु अस्पताल में ले गया.

वो किसी की पालतू बिल्लियाँ नहीं थीं.

वे आवारा बिल्लियाँ थीं.

इसलिए डॉक्टर ने माँ बिल्ली को एक नाम दिया.

उसने माँ बिल्ली को "स्कारलेट" बुलाया

क्योंकि जलने से वो बुरी तरह से लाल हो गई थी.

जल्द ही बहुत से लोगों को इसके बारे में पता चल गया. स्कारलेट के फोटो अख़बारों में छपने लगे. उसके ऊपर कहानियां लिखी गयीं.

लोग चाहते थे कि वह टीवी पर आए.

अब स्कारलेट एक हीरो और एक स्टार थी!

सभी लोग यही प्रार्थना कर रहे थे कि स्कारलेट जल्दी बेहतर हो जाए.

और धीरे-धीरे उसकी तबियत ठीक भी हुई.

बिल्ली के बच्चों को दूसरे कमरे में रखा गया, ताकि स्कारलेट आराम कर सके.

स्कारलेट, अब अपने बच्चों की देखभाल नहीं कर सकती थी.

अस्पताल के लोगों ने बिल्ली के बच्चों को ढेर प्यार दिया. एक बच्चे को छोड़कर बाकी की तबियत धीरे-धीरे सुधर गई.
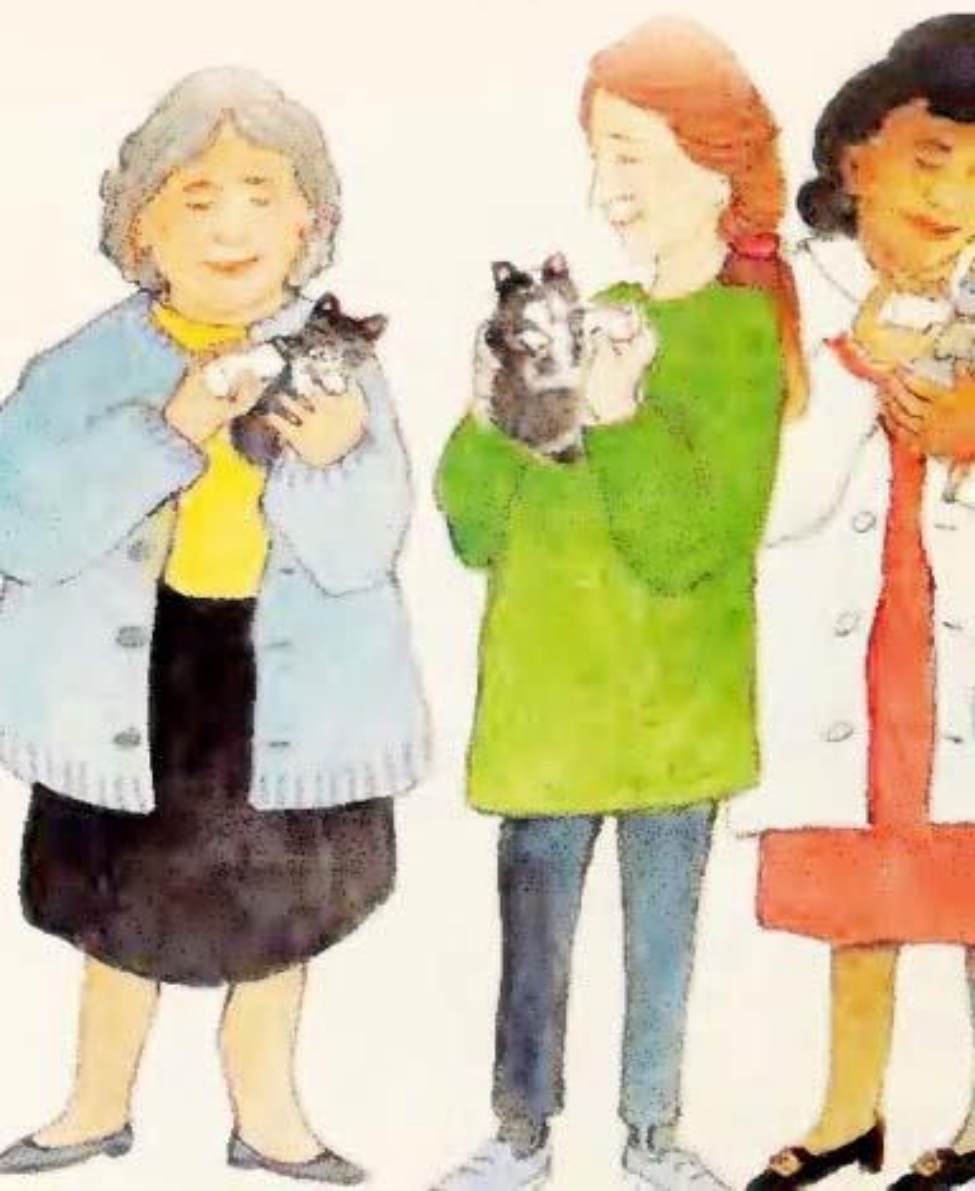
डॉक्टरों को लगा कि आग से बाहर निकलने वाले आखिरी बच्चे के फेफड़ों को धुएं ने काफी नुक्सान पहुँचाया होगा.

एक महीने बाद वो बिल्ली का बच्चा मर गया.

लेकिन बिल्ली के बाकी बच्चों को नए घर मिले.

दो बिल्ली के बच्चे, एक महिला के घर चले गए.

बाकी दो, लॉन्ग आइलैंड के एक
दंपत्ति के साथ रहने चले गए.

फिर स्कारलेट का क्या हुआ?

स्कारलेट के लिए दुनिया भर से पत्र आए.

कनाडा से, जापान और मिस्र से भी!

बहुत सारे लोग स्कारलेट को एक अच्छा घर और जीवन देना चाहते थे.

अस्पताल के लोगों ने 1,000 से अधिक पत्र पढ़े!

वे स्कारलेट के लिए सबसे अच्छा घर खोजने की कोशिश कर रहे थे!

अंत में, उन्होंने अपना मन बनाया!

टीवी और अखबारों में यह बड़ी खबर सुनाई गई.

करेन वेलेन नाम की एक महिला को
स्कारलेट की देखभाल के लिए चुना गया.

अपने पत्र में, करेन ने अपनी दुर्घटना –
एक कार एक्सीडेंट के बारे में लिखा.

स्कारलेट की तरह, करेन को भी बेहतर होने में काफी समय लगा. इसलिए वो समझती थी कि स्कारलेट किस दौर से गुजर रही होगी.

करेन के पास पहले भी एक बिल्ली थी.
करेन उससे बहुत प्यार करती थी.

लेकिन कैरन की दुर्घटना के
तुरंत बाद उसकी बिल्ली मर गई.

करेन कोई दूसरी बिल्ली नहीं पालना चाहती थी -
वो केवल एक विशेष बिल्ली चाहती थी....

.... बिल्कुल स्कारलेट जैसी!

समाप्त